# भारत आर्टीफिशियल स्टोन वर्क्स

## फाईसागर रोड, अजमेर (राज.)

**बी.ए.एस. चन्दन** रजि. नं. 399616 **व** **ग्राइन्ड मास्टर** रजि. नं. 326548-B

## 100% एमरी-पत्थर

### चक्की में नया एमरी पत्थर लगाते समय नीचे लिखी बातें ध्यान रखें

1. नये एमरी पत्थर में सबसे पहले नालियां एवं पेटे छैनी से उतार देवें।
2. जाम पत्थर कसने के लिए पत्थर में जितना गहरा होल हो उतना ही बोल्ट पहले हाथ से कस देवें बाद में उसका चेक नट पाने से कस देवें ताकि बोल्ट बड़ा होगा वह चक्की की प्लेट से बाहर ही पड़ा रहेगा। इससे आपके पत्थर की प्लेट नहीं उखड़ सकती।
3. फ्री पत्थर में साफ्टीन अगर कुछ टाईट हो तो साफ्टीन को हथोड़े से ठोकना नहीं चाहिये बल्कि पत्थर का होल एवं साफ्टीन को रेगमाल या फाईल ( रेती ) से साफ करके पत्थर में साफ्टीन बैठाना चाहिये इससे पाट की प्लेट नहीं उखड़ेगी व साफ्टीन भी खराब नहीं होगी।
4. दोनों पत्थर चक्की में कसने के बाद पत्थर को खाली नहीं घिसें करीबन 25 किलो बालू रेत पीसें अगर पत्थर अधिक आऊट हो तो पत्थर की कली को छील कर बालू रेत पीसना चाहिए। इससे पाट जल्दी मिल जावेगा।
5. एमरी पत्थर कोई भी कम्पनी का हो पत्थर में पानी नहीं लगना चाहिए।

### अब आप पत्थर से अधिक सर्विस लेना चाहते हैं तो नीचे लिखी बातों को हमेशा ध्यान रखें :

1. चक्की खोल कर जब भी आप पत्थर की नाली ( टकाई ) बनायें तब आप पावर मीटर रीडिंग नोट कर लेवें और जब भी 400 यूनिट आपके मीटर में बन जावें आप तुरन्त चक्की खुलवा कर वापस नाली वेटे ( टकाई ) कराना चाहिए। मीटर रीडिंग नोट करना हमेशा याद रखें।
2. पाट की नाली एवम् पेटे गहरे होने चाहिए साथ ही नाली के ऊपरी हिस्से में मुँह खोलना चाहिए जिससे दोनों पाट के बीच में हवा पास होती रहे इससे पत्थर में कभी भी दरार नहीं पड़ेगी बल्कि आटा भी ठंडा देगा।
3. जाम पत्थर के बगल में जमे हुए आटे को उचित समयावधि में साफ करें जिससे जाम पत्थर खराब होने की शिकायत नहीं होगी।
4. पत्थरों को खाली कभी नहीं घिसना चाहिए, खाली पत्थर को घिसने से पत्थरों के फेस कमजोर होते हैं।
5. ''लागें'' लेते समय लीवर को धीरे - धीरे ही दबावें। जिससे पत्थर गर्म नहीं हो और पत्थर क्रैक तथा फेस जल जाने का खतरा न रहे।

उप राष्ट्रपति श्री आर. वेंकटरमन द्वारा अवार्ड प्राप्त करते हुए